km n m² watt persons kg t l % institutions rules boundaries

एक प्रस्ताव

इस सदी के अंत तक विश्व कि जनसंख्या बढ़कर 10 अरब हो जाएगी और यह अबतक की सबसे उच्च हो जाएगी , और इसके बाद जनसांखियकी बदलाव अपेक्षित है और इसके बाद या तो जनसंख्या बढ़नी रुक जाएगी या तो घटेगी . विश्व के ज़्यादातर देशो मे जन्मदर घटेगी , ऐसा सुझाया गया हे .

इसलिय हमारा लक्ष्य होना चाहिय कि ऐसे हालात बनाये जाए कि 10 अरब आबादी का जीवन सुखमय हो , इसका मतलब हे कि सभी लोगो की मौलिक आवश्कताये पूरी हो और उसके बाद प्रचुर संसाधन हो जिससे प्रत्येक की छमता व प्रतिभा के अनुसार दोहन हो सके .

सीमाये व चुनोतियाँ

सभी 1 अरब लोगो की जीवनशैली परिभाषित करने के लिय निम्नलिखित पहलूओ पर ध्यान दिया जाए :

- परिस्थितिक सीमाये
- आर्थिक सीमाये
- व्यक्तिगत विकास व सामाजिक दायरा

परिस्थितिक सीमाये

ताजे अनुसंधान सुझाते हे की वर्तमान जीवनशैली वातावरण का पृथ्वी की सीमायों अतिक्रमण करती है और इससे 5 किस्म के नुकसान वातावरण को होते है (स्टॉकहोम रेसीलीयन्स सेन्टर के अनुसार) .

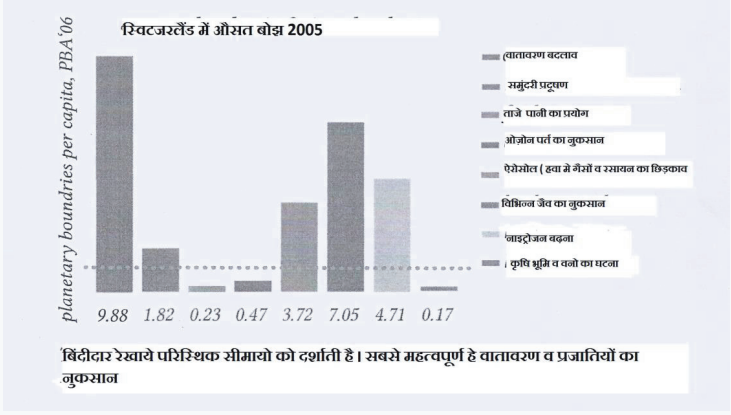

बिंदीदार रेखाये परिस्थिक सीमायो को दर्शाती है। सबसे महत्वपूर्ण हे वातावरण व प्रजातियों का नुकसान

आमतौर से <<पश्चिमी>> जीवनशैली इस प्रकार अपोषणीय (unsustainable) है कि चाहे पुराने औधोगिक केन्द्र मे कैद कर दिया जाए . यह पूरी दुनिया मे मान्य नही है . केवल तकनीकी खोज ही पर्याप्त नही है और शायद समय से पीछे आये . हमे फुर्तीली व्यवस्था की जरूरत है ।
पर्यायवरण व न्याय के लिय शुद्ध जीवनशैली के लिय मैन्यू इस प्रकार होना चाहिय (स्विट्ज़रलैंड का उदाहरण ले) :

- $20m^2$ वर्गमीटर की व्यक्तिगत रहने कि जगह (लिविंग एरिया)
- 2.5 m^2 वर्गमीटर की सामुदायिक जगह (1250 m^2 वर्गमीटर छोटे केन्द्र मे, नीचे विवरण है)
- कार न होना
- हवाईयात्रा ना होना
- प्रतिदिन , प्रति व्यक्ति द्वारा 6 किमी ट्रेनयात्रा (स्विट्ज़रलैंड मे वर्तमान में 6 किमी)
- प्रतिवर्ष ट्रेन द्वारा 1000 किमी यात्रा
- प्रतिवर्ष नाव द्वारा 1000 किमी जलयात्रा
- प्रतिवर्ष 15 किलोग्राम मांस का सेवन (4.3 किलोग्राम बीफ , 7.6 किलोग्राम पोर्क , 3.2 किलोग्राम पक्षी ; वर्तमान मे अमेरिका 120 , स्विट्ज़रलैंड 50)
- प्रतिवर्ष 20 लीटर दूध (स्विट्ज़रलैंड मे वर्तमान में 370 लीटर)
- प्रतिदिन 70 लीटर पानी
- प्रति सप्ताह 3 घंटे इंटरनेट प्रयोग (वर्तमान में 7)
- प्रतिदिन 50 नागरिकों पर एक समाचारपत्र

विभिन्न कारको मे आपसी आंशिक बदलाव संभव होते है : जेसे मांस कम खाना , कार यात्रा का आनंद लेना , रहने की जगह (लिविंग स्पेस) को कम करके कम दूरी की हवाई यात्रा करना आदि . कुल मिला कर ये सीमाये जीवनशैली को बिलकुल बदलने को मजबूर करती हे , जिसमे भिन्न आवास , छेत्रीय (territorial) व संस्थागत बदलाव की जरूरत होती हे . जबकि वर्तमान पश्चिमी उपभोक्तावाद स्पष्ट तौर से अपोषणीय है , जो कि वर्तमान 10 बिलियन लोगो द्वारा आरामदायक जीवन जी रहे लोगो के लिय असंभव हे ; इसका मतलब है विश्व की आबादी के लिय उन्नत मार्ग चाहिय . सबसे पहले , कठिनाई से बचाने के लिय ऐसे काफी आसान संसाधन हे , जो स्वास्थ्य प्रणाली को स्थापित करने या चलाये रखने के लिय और विज्ञान व तकनीकी विकास के लिय काफी है .

<u>आर्थिक सीमाये</u>

वर्तमान आर्थिक व्यवस्था तो स्थाई संकट मे है । इसे हम निम्नलिखित सचित्र आंकड़ो से देख सकते है : 2260 खरब डॉलर वैश्विक ऋण या वैश्विक GDP 700 खरब का 300 % (ग्रीस के ऋणDebt/GDP अनुपात से दुगना) , 6000 खरब आर्थिक व्युत्पतिलब्ध (derivatives) बुलबुला ।

वर्तमान आर्थिक प्रणाली की आवशयक्ता हे सतत विकास पर इससे ग्रह की छमतायो का अतिदोहन होता है . एक सतत आर्थिक प्रणाली विकास पर निर्भर नही होती । इसका समग्र प्रभाव होगा संसाधनो का सिकुड्ना और तेजी से सिकुड्ना .

डिजिटजेशन व स्वचालन द्वारा नौकरिया आजके हिसाब से 50% तक रह जाएंगी , एक अच्छी खबर है यदि हमारी आय नौकरी पर निर्भर नही है . उत्पादन का सीमांत कीमत जीरो होने से मूल्य-मजदूरी आधारित बाजार अर्थव्यवस्था मे गिरावट होती हे. महत्वपूर्ण, परंतु अवैतनिक कार्य (60% , मुखतय गृहस्थी, कृषि व देखभाल) करने वालो को सामाजिक ढाँचे मे उपयुक्त महत्व मिलना चाहिय . वैश्विक स्तर पर असमानता बढ़ रही है और इससे लोकतन्त्र के लिय जोखिमो की बढ़ोतरी हो रही है. केन्द्रीय बैंक से आसानी से व सस्ती दर पर प्राप्त धन से असमानता संतुलन अनिश्चित रहता है

क्या प्लान B भी है , अगर बुलबुला आखिर मे फट जाता हे तो ?

एक वास्तविक व्यवहारिक अर्थव्यवस्था पारिस्थितिक व सामाजिक लक्ष्य को परिभाषित करती है , जोकि सामानय संसाधनो व सामानय जरूरतों पर आधारित होती है . यह सुनिश्चित करती है कि सभी को तकनीकी विकास का लाभ मिले . छेत्रीय मोड्यूल्स के सदस्यो की लोकतान्त्रिक सोच यह सुनिश्चित करती है . एक स्थानीय तर्कसंगत घरेलू अर्थव्यवस्था निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित होती है :

- सभी का योगदान हो जो वो दे सकते हे , सभी को वो मिले जो उन्हे चाहिय .
- सांझा करे व बांटे बजाय इसके कि बेचे व विपणन करे .
- प्रतिस्पर्धा कि बजाय सहयोग करे .

ऐसी अर्थव्यवस्था मे नए रूपो व नियमो कि जरूरत पड़ती है .

स्वयं नियंत्रित विनियमन (लोकतन्त्र) मे निम्नलिखित नियमो द्वारा कार्य कर सकते है (Ellinor Ostrom एलिनोर ओसट्रोम) :

1. समूह की सीमाये परिभाषित करे .
2. सामान्य वस्तुयों के प्रयोग के लिय स्थानिय आवशकतायो व हालात से संबन्धित नियम लागू करे
3. यह सुनिश्चित करे कि इन नियमो से प्रभावित लोग नियम बदलाव प्रक्रिया मे भाग ले .
4. यह सुनिश्चित करे कि समुदाय द्वारा लागू नियमो का बाहरी प्राधिकरणों द्वारा सम्मान किया जाए
5. ऐसी प्रणाली का विकास किया जाये , जिससे समुदाय के सदस्यो द्वारा समुदाय के सदस्यो के व्यवहार की निगरानी की जाए .
6. नियमो की अनदेखी के लिय धीरे धीरे प्रतिबन्ध लागू करे .

7. उभर रहे संघर्ष के लिय सुलभ व सस्ते माध्यम निकले जाए ।
8. सामान्य संसाधनो के संचालन के लिये ज़िम्मेदारी निम्न स्तर से लेकर ऊपर तक निश्चित की जाए .

ये बुनियादी नियम सभी संस्थानो व ढांचो पर लागू हो (नीचे देखे) . एक तर्कसंगत घरेलू अर्थव्यवस्था मे तीन क्षेत्र देखे जा सकते हे :

- जीवन निर्वाह अर्थव्यवस्था मे सामान्य ग्रहस्थी (अड़ोस पड़ोस , ग्लोमों1) , जहाँ बगैर भुगतान कार्य सबसे आम है .
- अतिरिक्त जनसेवाये व उद्योग जोकि बड़े स्तर पर संबन्धित लोगो की इच्छा व सहयोग से चलते है . ये सेवाये तर्कसंगत तरीके से संसाधनो व आवश्यकतानुसार छेत्रीय सीमायो के अंदर संस्थायो द्वारा संचालित किए जाते है .
- बकाया छेत्र मे विभिन्न प्रकार (फर्म , सहकारी समितिया , साझेदारीया फर्म) गैर महत्वपूर्ण व्यक्ति व सामूहिक उधयम एक स्थायी योजनानुसार कार्य नहीं करते पर छेत्रीय व सामाजिक कानूनों द्वारा नियंत्रित होते है .

व्यक्तिगत विकास व सामाजिक समावेश

वर्तमान अनुसंधानों के अनुसार वर्तमान जीवनशैली के कई पहलू हमे नाखुश बनाते है . गरीबी हमे नाखुश करती है , जो कार्यस्थल पर निरंतर तनाव बनाये रखती है । असमानता का उच्च स्तर , ज्यादा हिंसा व खराब स्वास्थ्य से जुड़े हुये है . समानता पर आधारित समाज सबसे सुखी भी है (cf डेन्मार्क).

ओधयोगिक अर्थव्यवस्था के विकास से परिवार ढांचे व परंपरागत समुदायो का दमन हुया है । दूसरी तरफ अनचाहा एकांत , सामाजिक अलगाव , गुमनामी की घटनाए चिंता के कारण है . बहुत सारे लोग असंबद्ध व बेसहारा है .

यहाँ तक कि जहाँ पर सभी मूलभूत आवशकताये पूरी होने पर भी , कार्यस्थल व घर पर वास्तविक व्यक्तिगत विकास , भाग लेना और सशक्तीकरण न्यून है .

हमे नवीन जीवनशैली की आवशयकता है , जहाँ पर सभी आयु के लोग एकीकृत व समाज के अंग की तरह महसूस करे व सामाजिक पहचान व सुरक्षित सामाजिक पद का आनन्द ले . स्वस्थ विकास व खुश युवायो को दोस्ताना व सुरक्षित वातावरण की जरूरत होती है . एकांत , सामाजिक समावेश व व्यक्तिगत विकास मे अंतर्विरोध न हो .

इन जीने के नये तरीको को प्राप्त करने के लिये , एकल , युगल , परिवार व समुदायो के लिये विविध प्रकार के आवास उपलब्ध होने चाहिए जोकि बदलने वाले के लिय अनुकूल होने चाहिए ताकि उसे अपने पड़ोसियो व मित्रो को छोड़ना न पड़े .

और सबसे ऊपर : लोकतंत्र से खुशी मिलती है

5. सार्वभौमिक कार्यात्मक क्षेत्रीय मॉड्यूल (glomos)

वर्तमान क्षेत्रीय , आर्थिक व सामाजिक चुनोतियों से पार पाने के लिये हम पृथ्वी पर 35 लाख परिवारों के साधनो को इन 5 मोड्यूल्स मे बांटते है :

1. 1.6 करोड़ अड़ोसपड़ोस (glomo 1)
2. 400,000 नगर या छोटे कस्बे (glomo 2)
3. 4000 बड़े शहर व छेत्र (glomo 3)
4. 800 राज्य (glomo 4)
5. 1 ग्रह Planet (glomo 5)

वैश्विक समानता व निष्पक्ष विनिमय के लिये संगठनो के तुलनीय रूप व आकार जरूरी है . वैश्विक परिवार के लिये सार्वभौमिक मापदंड होने चाहिए जिसमे स्पष्ट सीमाये व नियम हो .

मापदण्ड विशुद्ध रूप से कार्यात्मक है , बिना किसी विशिष्ट जीवनशैली या सांस्कृतिक पहचान के . वे subsidiarity वातावरण का रूप तैयार करते है , जैसे कि छोटा घटक संकट मे है तो बड़ा घटक पेश होता हे मदद के लिय . कोई भी कार्य छोटे या नजदीकी स्तर पर करना चाहिए (पुनस्थार्णीयकरण) . स्वायता संचालित डिजिटल सर्वर व नेटवर्क उपयोगी होंगे .

1. पारिस्थितिकी विज्ञान व सामाजिक समन्वित अड़ोसपड़ोस (glomo1)

इनकी विशेषतायों के निम्नलिखित लक्षण है :

- PBA के अनुसार जीवनशैली (छेत्रीय सीमानुसार भत्ते , ऊपर देखे)
- जनसांखियकीय के अनुसार 500 व्यक्ति
- लोकतान्त्रिक तरीके से नियंत्रित (सहयोगी , संस्था)
- शहरी क्षेत्र प्रसंग मे एक सघन भवन (छोटी दूरी पर)
- `स्थानीय कृषि से सम्बद्ध और आधार पर 60 से 80 हेक्टर
- आंतरिक घरेलू व आर्थिक आधार पर
- सूक्षम केंद्र
- व्यापक आधार के आवास : एकल कमरे , परिवार के फ्लैट्स , सह आवास ; एकांत का ध्यान रखते हुये

अड़ोस पड़ोस के सदस्यो द्वारा ऐसे संयुक्त व पूरक आवास वयवस्था गठित की जाए जिसमे सभी की मूलभूत सुविधायों का ध्यान रखा जाए ।

यह परंपरागत यूरोपियन शहर के एक शहरी अड़ोसपड़ोस चित्रण है (glomo 1)

शीतोष्ण जलवायु (मध्य यूरोप , USA , चाइना , जापान आदि) क्षेत्रों मे 62 हेक्टर कृषि भूमि लोगो के खाने की आपूर्ति के लिय पर्याप्त है . ज़्यादातर मामलो मे कृषि भूमि अड़ोसपड़ोस से 20 से 50 किमी से ज्यादा दूर नही होगी . एक छोटा ट्रक (3 टन) अड़ोसपड़ोस मे खाने के सामान के वितरण के लिय ठीक है . सटे हुये अड़ोसपड़ोस के बीच सहयोग , साझा करना व आपसी विनिमय को बढ़ावा देना चाहिए . भूमि व भोजन तक पहुँच ही अड़ोसपड़ोस की संप्रभुता का मुख्य तत्व है , व जीवन की गुणवता भी है (खाने की गुणवता , देश मे अवकाश , कृषि कार्य व खाना प्रसंस्करण) ।

खाने का प्रकार व मात्रा का एक उदाहरण देने के लिय जरूरी तथ्य :

पदार्थ	परीष्क्रत	व्यक्ति/सप्ताह	500 व्यक्ति/सप्ताह	प्रति वर्ष	धरातल	चारागाह
सब्जिया		3 कि ग्रा	1500 कि ग्रा	75 t	4 हेक	
आलू		0.8 कि ग्रा	400 कि ग्रा	20 t	2 हेक	
अनाज	आटा, फ़्लेक्स , दलिया, पास्ता	1 कि ग्रा ब्रैड = 700 ग्रा आटा	350 कि ग्रा 50 कि ग्रा 50 कि ग्रा 150 कि ग्रा	 35 t	10 हेक	
फलिया, सोया, मसूर	टोफू		20 कि ग्रा	1 t	1 हेक	
तिलहन, लौकी, अलसी, सूरजमुखी	गिरी तेल		20 कि ग्रा 20 लि	1 t 1000 लि	2 हेक	
फल , बेरी	जूस, जैम, मुरब्बा, सूखे मेवे	1.5 कि ग्रा	750 कि ग्रा	39 t	2 हेक	
दुग्ध	योगर्ट पनीर मक्खन	0.5 लि = 0.5 लि 0.5कि ग्रा = 0.5 लि 0.3 कि ग्रा=3 लि 0.1 कि ग्रा= 3 लि	250 लि 250 लि 1500 लि 1500 लि	30-40 गाय 182'000 लि	10 हेक	15 हेक
अंडे		2-3	1250	65'000 260 मुर्गीया	2 हेक	
माँस	बीफ, वील, पोर्क, माँस, sausages	0.3 कि ग्रा	150 कि ग्रा	7.5 t (15 कि ग्रा प्रति व्यक्ति/वर्ष)	चारागाह , मवेशी 3 हेक , फली सुयरों के लिय 1 हेक	9 हेक 1 हेक
कुल					37 हेक	62 हेक
मवेशी					16 हेक	41 हेक
पौधे					21 हेक	21 हेक

(*यदि प्रति व्यक्ति द्वारा 7.5 किलो माँस प्रति वर्ष ग्रहण किया जाये , आवश्यक भूमि घटकर 56 हेक्टर रह जाती है . माँस उत्पादन का एक भाग का दुग्ध उत्पादन से जुड़ा है . उपरोक्त सारणी मे दर्शाया गया दुग्ध उत्पादन मात्रा पारिस्थितिक मैन्यू के अनुरूप नही है .*)

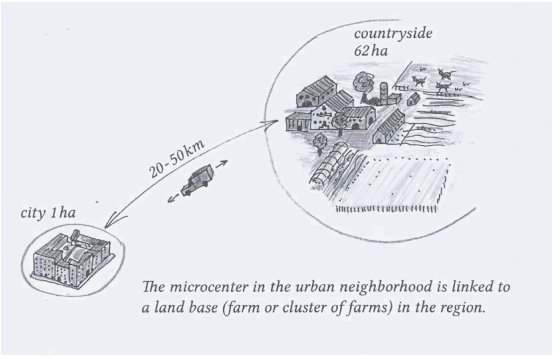

The microcenter in the urban neighborhood is linked to a land base (farm or cluster of farms) in the region.

अड़ोसपड़ोस के सूक्ष्म केंद्र क्षेत्रीय भूमि (खेत या खेत समूह) आधार से जुड़े हुये है ।

सूक्ष्मकेंद्र , सेवा क्षेत्र का मिश्रित उपयोग है (मुख्यतया भूतल पर) से गृहकार्य अनुकूलन होता है , दूरी को कम करता है (80 m = 1 मिनट), सहयोग की अनुमति देता है और साथ मे ही प्रतिदिन संचार , सामाजिक समारोहो और आनंद और खेलो का स्थान बनता है .

स्थानीय हालातो और सदस्यो के झुकाव पर निर्भर करते हुये यह 1200 से 2000 m2 के बीच रहता है. यह स्थानीय निवासियों की संस्थायो द्वारा संचालित होते है (प्रचालन संकल्पना पर आधारित) .

यहाँ ढांचे के रूप मे दर्शाया गया है :

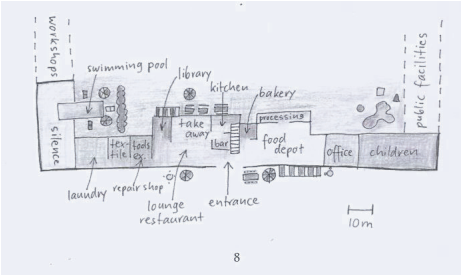

8

स्विट्जरलैंड मे 7.9 अरब भुगतान किए गये काम के घंटे , और 9 अरब बगैर भुगतान काम के घंटे , मुखतया घर के व सेवा कार्य , प्रति वर्ष किये जाते है . औसत जीवनकाल पर गणना करने पर (सोने सहित) भुगतान किये गए काम करने की मात्रा 12% से ज्यादा नही है .

वर्तमान मे भुगतान वाले कार्य की मात्रा 22 घंटे/व्यक्ति/सप्ताह है , बगैर भुगतान कार्य 24 घंटे है , कुल मिलाकर 46 घंटे (65 , बच्चो के साथ गृहकार्य)।

ग्लोमों-अड़ोसपड़ोस मे रहते हुये , भुगतान सहित कार्य की मात्रा 14.5 घंटे , बगैर भुगतान 24 (कृषि सहित) , कुल 38.5 घंटे , 44.3 बच्चो सहित (अनुमानित) .

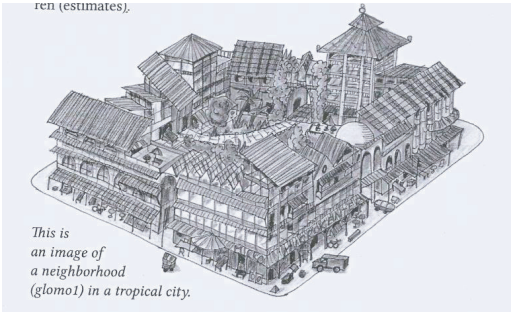

यह उष्णकटिबंधीय के शहर की अड़ोसपड़ोस की छवि है उष्णकटिबंधीय शहर की (glomo 1)

.अड़ोसपड़ोस की परिभाषा इस प्रकार है (glomo 1)

- एक 4 तारा होटल की सुविधाए के साथ
- लचीलेपन से सामान को सांझा (विशेषरूप से खाना) करते हुये आवश्क्ताये पूरित करना
- जगहो का सामुदायिक प्रयोग करते हुये (एक आवश्यक वैश्विक जरूरत) व्यक्तिगत आवास की बचत करना
- गृहकार्य का वितरण प्रत्येक की पसंद व लचीलेपन के अनुसार करना
- माता-पिता व बच्चो के प्रति विशेषकर दोस्ताना
- परिवहन के कुछ छोटे माध्यम भी संचालित कर सकते है (बाइक , कार, रिक्शा ,छोटी बसे)
- व्यक्तिगत की संबद्धता और हालात का अहसास दिलाता है

- सदस्यो द्वारा लोकतान्त्रिक भागीदारी व सशक्तिकरण बढ़ता है
- सामाजिक खेल व आयोजनो के लिय सही जगह होती है
- आवासो के व्यापक प्रकार प्रदान करती हे व स्थानो के आवंटन मे लचीलापन
- आगन्तुको के लिय खुला हे (20 अतिथि कक्ष)
- कृषि का स्वच्छ व पारिस्थितिक संचालन (भोजन व्यर्थ नही)
- सघन , विविध और सुखद शहरो का प्रथम मॉड्यूल का गठन होगा (प्रत्येक 100 मीटर पर लघुकेंद्र होगा)
- मौलिक समप्रभुता की गारंटी और पक्की नीचे से ऊपर तक लोकतान्त्रिक

2. जनता की सेवा के लिय बुनियादी ग्रामसंस्थायो की तरह नगर व छोटे कस्बे (glomo2)

40 अड़ोसपड़ोस , या 20,000 लोग मिलकर एक शहरी नगर बनाये , या -एक देश मे - एक छोटा नगरपालिका वाला नगर एक मूल कम्यून जनसेवाओ की कुछ श्रेणी के लिय :

- प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल
- राज्य व सुरक्षा सेवाये : पुलिस , जिला न्यायलय , सामाजिक सहायता , प्रशासन और राजनेतिक अंग (टाऊन काउंसिल)
- स्वास्थ्य सेवाये
- पानी
- ऊर्जा
- सार्वजनिक परिवहन
- मल , रिसाइक्लिंग , पदार्थो का प्रबंधन
- ABC नागरिक केंद्र (हाल ,पुस्तकालय , होटल ,सिनेमा ,कॉलेज आदि)
- पूरी दुनिया से अतिरिक्त समान एक globex खाना भण्डार (मुक्त व्यापार)
- लघुउद्योगो व कार्यशालायो (टेक्सटाइल , लकड़ी ,धातु ,मशीनरी ,बिजली ,इलेक्ट्रोनिक , चर्म आदि) के लिय सहकारी बाजार

बड़े नगरो मे इनमे से ज़्यादातर सेवाये शहरी अभिकरणो द्वारा आयोजित हो , जहाँ पर नगर (boroughs) की भूमिका परामर्श और विशेष कार्यो तक घट जाए .

इन सबके आसपास विविध व्यक्तिगत या सहकारी कार्य फलफूल सकते है : सिगार शॉप , हैट बनाने वाले , छोटे रेस्टोरेंट्स , स्वर्णकार , वकील आदि .

नगर या छोटे कस्बे सुचारु चलते है यदि उपरोक्त जनसेवाये एक छोटे व केंद्रीय चौक (40 X 40m) मे निहित हो : दूरी कम कर दे , सहयोग बढ़ाया जाए और संपर्क को आसान बना दिया जाए । नगर/छोटे कस्बे मे रोज़मर्रा के काम होते है , जरूरी कार्य पैदल 10 मिनट चल कर किये जा सकते है .

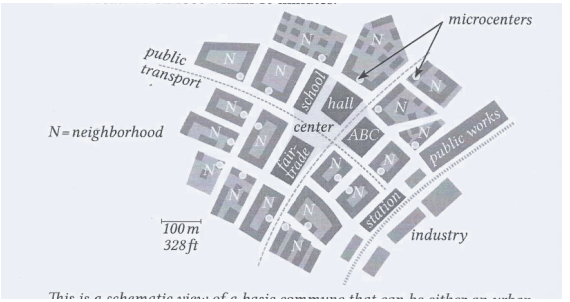

एक मूल कम्यून का ढांचागत चित्रण है जोकि नगर या छोटा कस्बा हो सकता है .

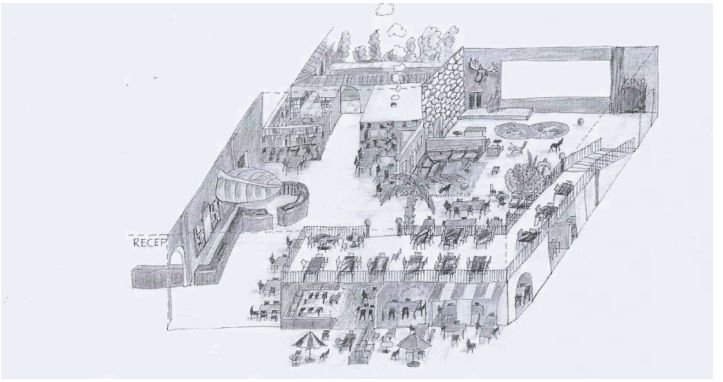

यह एक संभवतः ABC की छवि है : पीछे दिख रही << दुनिया की दीवार >> को ग्रह की अन्य 399,999 दुनिया की दीवारों से ऑनलाइन जोड़ा जा सकता है .

क्षेत्र और बड़े नगर (glomo3)

बड़े नगरो मे रहना व साथ कार्य करना से सतत व सुखद जीवनशैली का मूलमंत्र है , इस ग्रह पर . सघन अंदरूनी नगर में रह रहे निवासी दीर्घायु , स्वस्थ व खुशदिल होते है , उपनगरो के निवासियों के मुक़ाबले . बड़े नगर पारिस्थितिक कुशल होते है और ग्रह के विज्ञान व सांस्कृतिक संसाधनो से जुड़े होते है . एक बड़े नगर मे लगभग 500,000 निवासी होते है , एक महानगरीय मे स्थित क्षेत्र में अन्य 1 मिलियन , एक क्षेत्र (6000 to 10000 ^{km2}) के लिय सेवाये और संसाधन प्रदान करता है जोकि इस क्षेत्र की जरूरतो व छमता के अनुरूप है . पेरिस की तुलना मे घनत्व वाले , ज़्यादातर स्थानो मे पैदल आधे घण्टे मे या बस द्वारा 10 मिनट मे पहुंचा जा सकता है . बड़े नगर में सामान्यतया निम्नलिखित जनसेवाये दी जाती है :

- विश्वविद्यालय
- अस्पताल
- ऊर्जा
- पानी
- बैंक
- सार्वजनिक परिवहन (बस , ट्रेन)
- क्षेत्रीय न्यायलय और प्रशासन
- थियेटर/ओपेरा
- खेल सुविधाये
- आवश्यक सेवाये
- सहकारी उद्यम के लिय मंच (cooperatory)
- मैट्रोफोयर (आगन्तुको के मिलने के लिय उदार जगह , सभी प्रकार की सामाजिक पहल और संगठन और सभी प्रकार की सहभागी प्रक्रियायों)

बारंबार सेवायो को लेने के लिय प्रदाता व उपभोक्ता के संपर्क सिटि सेन्टर मे इकट्ठे या क्रमबद्ध हो । इस सेन्टर से सटकर अन्य सहकारी व प्राईवेट उद्यम जेसे कि स्वादिष्ट खाने वाले रैस्टौरैंट , केबरेटस ,फ़ैशन स्टोर , विलासिता स्टोर ,बार, सिनेमा , वकील ,कॉस्मेटिक सर्जन और इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर होने से उत्तम जीवन जीने मे योगदान होगा . क्षेत्र मे कस्बे व देश मे सार्वजनिक परिवहन से जुड़े होते है . ज़्यादातर जगह बस , ट्रेन और ट्राम से आधे घण्टे कि दूरी के अंदर होते है , या बाईसिकल से आधे घण्टे कि दूरी पर होते है . क्षेत्र अपने प्राकृतिक वातावरण का प्रबंधन करते है , जेसे कि नदिया , झीले , तटो , जंगल और बंजर . बगैर बड़े नगर , कम आबादी वाले क्षेत्र, जन सेवाये केंद्र को यथोचित भोगोलिय स्थान पर विकसित करने के लिय बिना सघन शहरी बस्ती के होगी .

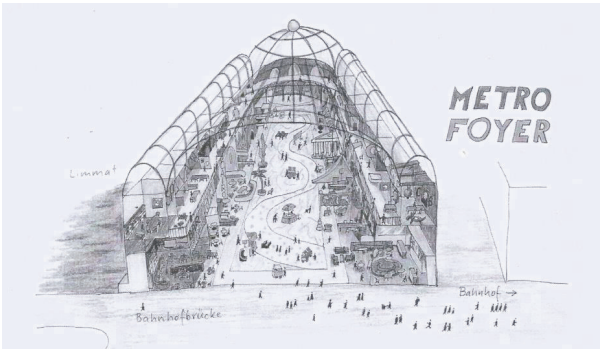

मेट्रो फोयर

यह एक मेट्रो फोयर (ज़ूरिक मे किसी जगह) की छवि है : केंद्रीय दीर्घा का प्रयोग बड़े समारोहो व आयोजनो के लिय किया जाता है और वहाँ पर दोनों तरफ बिस्त्रो/बार/रैस्टौरेंट है जोकि समस्त विश्व के सिस्टर सिटीज द्वारा संचालित होते है . इसके पिछली तरफ नगर व इसके उपनगरो व संस्थानो की रेसेपशन लॉबी है .

ऊपरी तल पर नागरिक संगठनो , राजनेतिक पार्टियो , NGOs के स्थान बने है; वहाँ पर बैठक कक्ष है जिनहे बुक किया जा सकता है ; वहाँ एक शहरी प्रबुध मण्डल है . इसके साथ वहाँ पर एक पनोरमा रैस्टौरेंट (वाजिब कीमत पर) जो की नगर द्वारा चलाया जा रहा है .

3. क्षेत्र (glomo4)

प्रदेश अनुरूप क्षेत्र है 50,000 km2 (जोकि 225 km का वर्ग है) और इसमे तकरीबन 10 मिलियन की आबादी है . एक प्रदेश मे 5 से 10 क्षेत्र शामिल होते है . प्रदेश शुद्धतौर पर कार्यात्मक ; मतलब वे गैर-जातीय है , एक सांस्कृतिक , और गैर-भाषाई है । ऐतिहासिक सीमाये मानते है या नही यह टोपोग्राफिक सुविधा (नदी , पहाड़ आदि) ।

एक प्रदेशीय मोड्युल जोकि इस आकार और जनसंख्या का है वह है बड़े स्तर की सेवायो और प्रणाली के लिय आदर्श अनुकूल है , जेसेकि : ऊर्जा (ग्रिड व पावर

क्षेत्रों मे बंटी दुनिया कुछ ऐसी दिखेगी (सीमाये वास्तविक नही है)

स्टेशन , डैम), रेल नेटवर्क , अग्रिम अनुसंधान और शिक्षा सुविधाये , न्याय/पुलिस , बैंक , सुरक्षा (सेना) , निर्माण , औषध और अन्य महत्वपूर्ण उद्योग . और ऐसा बहुत कुछ है जेसे लचीलापन बनाना , जो व्यक्तियों , अड़ोसपड़ोस व अन्य मॉड्यूल को आपातकालीन हस्तक्षेप की गारंटी और सामाजिक एकजुटता का अहसास कराये . जेसे स्वायत व्यापक आर्थिक इकाइयां अपनी मुद्रा , केंद्रीय बैंक , सीमाये (सामाजिक-ओस्मोटिक आवरण), और परिस्थितिक और सामाजिक नियम बनाये .

क्षेत्र मे ज़्यादातर जगहों पर ट्रेन द्वारा 2 घण्टों मे पहुँचा जा सकता है , जिससे सहयोग व संपर्क मजबूत होता है . इसका आकार पारदर्शी प्रजातांत्रिक प्रक्रिया व समाज के अनुकूल है .

एक विशेष व पूर्ण और स्वायत पर बड़े पुराने देशो के मुक़ाबले छोटे होते है , यह राजनीतिक शक्ति की असंगतियों को प्रचारित करते है और विश्व स्तर पर सहयोग आधारित संतुलित संस्थानो का आधार है .

क्षेत्र दूसरे क्षेत्रों से आपस मे मित्रतापूर्ण द्विपक्षीय या बहुपक्षीय साझेदारी और संघ (जेसे CERN , कॉन्टिनेन्टल ट्रेन नेटवर्कस ; पावर ग्रिड्स ; इंडस्ट्रियल कोम्पोनेंट्स , मेडिकल प्रोडक्टस) बना सकते है .

5. The Planet , ग्रह (glomo5)

ग्रह के 800 क्षेत्र मिलकर एक वैश्विक संधि करते है , ग्रह की महत्वपूर्ण सभी चिंतायो के लिये संयुक्त सहयोग के लिय और इसके लिय अभिकरणो की इस प्रकार स्थापना करते है :

- जीवमंडल की निगरानी व संरक्षण
- सहयोग का आयोजन और क्षेत्रों के बीच झगड़ो का समाधान करना
- सीमायो के बारे मे नियम बनाना
- वैश्विक संसाधनो का वितरण
- विश्व बैंक
- आपातकालीन सहायता (प्राकृतिक आपदाये , महामारी , खाना , दवाई)
- तकनीकी जानकारी को साझा करना
- अनुसंधान
- अन्तरिक्ष अनवेशन
- वैश्विक न्यायलय
- सुरक्षा व प्रतिबंध
- तकनीकी पुर्जो , अलगोरीदमस , सामग्री का निर्माण व सांझा करना
- यातायात व्यवस्था
- संचार साधन (जनता के लिय इंटरनेट व ग्लोबोनेट)
- सांस्कृतिक आदान प्रदान

जेसे की वर्तमान वैश्विक संस्थान वैधता संकट मे घिरे है , एक नया संगठन बनाना चाहिय . पारदर्शिता , लोकतान्त्रिक ढांचा हो जिसमे सभी सदस्यो समान शक्तियाँ/आकार जरूरी है .

एक विधाई/प्रतिनिधि सभा हो जिसमे 1600 प्रतिनिधि (प्रत्येक लिंग व क्षेत्र मे से 2) होना प्रशंसनीय है , अभिकरणो (agencies) को चलाने ले लिय 25 सदस्यो का एक कार्यमंडल हो .

कुल मिला कर वैश्विक गतिविधियां की संख्या व महत्व घट जाएगा , जेसे छोटे व स्थानीय ज्यादा सक्षम हो जाएंगे , इसके लिय ग्लोबोनेट द्वारा डिजिटलाईजेशन , स्वचालन और ज्ञान व सूचना को सांझा करने को धन्यवाद .

सारांश

आर्थिक क्षेत्रों , कार्यो व मॉड्यूल का वैश्विक बंटवारा इस प्रकार दिख सकता है (ना ही संपूर्णता और ना ही प्राथमिकता का इरादा है) :

मोड्यूल	जन सेवाये	सहयोगी/ प्राइवेट	घरबार/खाना
क्षेत्र (glomo 5)	ईंधन , खनिज,ऊर्जा , हथियार , बीज ,बैंक ,दवाये , चिकित्सा तकनीक ,मशीने ,वाहन , हवाई जहाज , ग्लोबनेट , अनुसंधान व विकास , आपातकालीन सहायता	सॉफ्टवेर , म्यूजिक ,फिल्म, कला , स्पिरिट्स, शराब , विलासिता के समान , उत्क्रष्ट फैशन , साहित्य , खिलौने , नमक , प्रसाधन सामग्री	काफी , चाय , कोको , तम्बाकू , सूखे मेवे , बीन्स
क्षेत्र (glomo 4)	ऊर्जा , ट्रेन ,नाव ,दवाई , चिकित्सा तकनीक, उद्योग , इंजन , अनुसंसधन , बैंक , विश्वविद्यालय ,काँच , कागज , पेंट , cooperatory, पानी , आपातकालीन निधि , मीडिया , सेना , पुलिस/न्यायलय	शराब , सर्कस, spirits, sausages, पनीर , alogorithms, घड़िया , कपड़े, चॉकलेट, matches, चाकू , मसाले, साइकल ,काफी मशीन , म्यूजिक , ओपेरा , भव्य होटल	नमक, तेल,preserves , बियर , शराब, चीनी, बीज, कृषिकेंद्र
प्रदेश/बड़े शहर (glomo 3)	ऊर्जा, पानी, जन परिवहन, सड़के, अस्पताल, थिएटर, भवन निर्माण का सामान, रोशनी उद्योग, बैंक, कपड़ा, संघरालया, शिक्षा, स्टेडियम, पुलिस/न्यायलय , खेल सुविधाये , सहयोग (**Cooperatory**)	फैशन डिज़ाइनर, रेस्टोरेन्ट, सिनेमा, बार, केबरे, थिएटर, गेलरी, सिगार, जूते, बैग, कटलरी, सीरामिक्स, फ़रनीचर, केश विन्यास, होटल, प्रसाधन सामग्री	कृषि केंद्र , दुग्ध पदार्थ, मत्सय, sausages ,शहद , फाइबर , चॉकलेट
नगर/छोटे कस्बे (glomo2)	ऊर्जा, पानी, जन परिवहन , प्राथमिक व उच्च शिक्षा , व्यावयसिक प्रशिक्षण विद्यालय, बालवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, ABC, पुलिस, सहयोग (cooperatory), मार्केट का स्थान, कब्रिस्तान/दाहग्रह, पुस्तकालय	कपड़े, हैट, accessories, रेस्टौरंट्स, बार, सिनेमा, कम्प्युटर, वकील, स्वर्णकार, फ़र्निचर, किताबे, केश सज्जक,छोटे होटल	Globonex (fair trade store) , बियर, शराब, सब्जी के बाग, जड़ी बूटियाँ, बेरीं, चिकन, फूल, मधु मक्खिया
अड़ोस पड़ोस (glomo1)	--	वर्क्सशॉप , बार, योगा	खाद्य प्रसंस्करण, लघु केंद्र, आवास, धुलाईघर, फर्नीचर, टूल्स, मरम्मत, भवनो की देखरेख, सरल देखभाल, intranet , पुस्तकालय

संस्थान

सभी मॉड्यूलस के लिय सुझाये गये प्रशासनिक संस्थान इस तालिका मे दर्शाये गये है :

मॉड्यूल	विधायिका	कार्यकारी	सीधा प्रजातांत्रिक हक
अड़ोसपड़ोस	सामान्य सभा	बोर्ड (7 व्यक्ति)	समान्य सभा के लिय Right to call
नगर/छोटा कस्बा	बड़ी परिषद (100)	छोटी परिषद (7)	पुनर्गठन/जनमत संग्रह
क्षेत्र/बड़ा नगर	बड़ी परिषद (100)	छोटी परिषद (7)	पुनर्गठन/जनमत संग्रह
क्षेत्र	बड़ी परिषद (400)	छोटी परिषद (11)	पुनर्गठन/जनमत संग्रह
ग्रह	बड़ी परिषद (1600)	छोटी परिषद (25)	------

ये संस्थान परंपरागत और लंबे समय से स्थापित प्रत्यक्ष विधानसभायों , प्रतिनिधियों और जनमत संग्रह के मंडलों का प्रतिनिधित्व करते है . ये प्रजातांत्रिक मूल अधिकारो , जेसे कि सार्वभौमिक वोटिंग अधिकार, पारदर्शिता , विचार व्यक्त करने कि स्वंत्रतता पर आधारित है । जनमत संग्रह उपकरणो को क्षेत्र से बड़े मॉड्यूल मे प्रयोग नही करना चाहिय .

परिवर्तन व वित्त Transformation and Finances

ग्रह स्तर के प्रस्तावो को वास्तविक बनाने के लिय साधन व संसाधन उपलब्ध है . मॉड्यूलस के विश्वासपूर्ण सहयोग के लिय एक निश्चित वैश्विक समानता स्तर पूर्व शर्त है .

जबकि पुराने औध्योगिक समाज जोकि मुखतया ग्रह के उत्तर मे है अक्सर आधारभूत ढांचे मे अतिवृद्धि दिखाते है , जरूरी उपकरणो की कमी दक्षिण में . वैश्विक निवेश का वैश्विक दक्षिण की तरफ अनुप्रेष्ण की जरूरत है संकर्मणकालीन अवधि के लिय .

यदि हम माने कि अड़ोसपड़ोस-समुदायो (glomo1) के मौजूदा ढाँचे के संकर्मणकालीन कि लागत 50 लाख डॉलर प्रति है , हमे कुल मिलाकर 800 खरब डॉलर के निवेश कि आवश्यकता होगी . यह वैश्विक वार्षिक GDP के अनुरूप है . ऐसे व्यय को कई वर्षो मे बराबर फैला दिया जाए (= द्रव्य संसाधनो का संग्रहण) व्यवहार्य नही दिख रहा .

जेसे कि अमीर देशो मे कार्यात्मक अड़ोसपड़ोस का निर्माण के लिय वित समान्य निवेश फंड से जुटाया जा सकता है , हमे केवल अतिरिक्त फंड (जेसेकि उनके द्वारा जुटाये गये संसाधन) 30% सबसे गरीबो , 2.5 अरब व्यक्तियों , या 270 खरब डॉलर . 20 वर्षो में बांटा जाए तो 13.5 खरब प्रति वर्ष , जोकि संभव है .

- वर्ष 1972 मे अमीर देश अपनी GDP का 0.7% अंशदान विकास सहायता देने के लिय सहमत हुये , जो उन्होने कभी नही किया वैश्विक GDP का 0.7% है 5.60 खरब डॉलर .
- वर्ष 2016 मे सैन्यबलो पर वैश्विक खर्च 16.86 खरब के बराबर था
- ईराक युद्ध मे 30 खरब लागत हुई
- 2015 मे विकास सहायता 1.3159 खरब डॉलर था
- विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार , 2016 मे कुल प्रेषण 5.851 खरब डॉलर था , जिसमे से 4.42 खरब विकासशील देशो को गये
- वर्ष 2006 मे 6.58 खरब डॉलर का प्रतिस्पंदन (reflux) ग्रह के दक्षिण से ग्रह के उत्तर कि तरफ हुया .
- विश्वस्तर पर आर्थिक लेन-देन पर 0.01% Tobin-tax लगाने से लगभग 1.25 खरब डॉलर कि प्राप्ति होगी
- अमीर व्यक्तियों द्वारा लगभग 185 खरब डॉलर छिपाकर रखा गया है , जोकि वार्षिक टैक्स का 1.56 खरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान है .
- वर्तमान मे 2000 अरबपति से ज्यादा 20 देशो मे है . एक वार्षिक संपति कर 1.5% उनकि संपति पर लगा कर 74 अरब डॉलर एकत्र किए जा सकते है .

यह सत्य कि हम 99% लोग सम्पूर्ण विश्व कि संपतियों का आधा हिस्सा रखते है , लज्जाजनक लगता है , परंतु इसे सकारात्मक संदर्भ मे देखा जाना चाहिय: क्योंकि हम आधी संपतिया रखते है तो यह समय है कि हम उनके लिय कुछ उपयोगी करे . अपने परिवर्तन करने वाली योजनायो के वित के लिय हमे बिलियनेयर की संपति जब्त करने या टैक्स लगाने कि जरूरत नही है . 99% मे से कुछ ऐसे लोग है जिनकि अच्छी आय है और ऐसे कार्य के लिय योगदान दे सकते है .

स्विट्ज़रलैंड का उदाहरण ले : 13.5 खरब का मतलब है 9.045 अरब (फ्रैंक या डॉलर) , तो आनुपातिक तौर से 0.67% है जोकि स्विट्ज़रलैंड द्वारा वैश्विक GDP मे योगदान दिया जाता है . स्विस कर्मियों द्वारा 4 खरब प्रति वर्ष कमाया जाता है , जोकि 2.26% , या 142 फ्रैंक जोकि मध्यम मासिक आय 6300 फ्रैंक है । विश्व को बचाने के लिय पर्याप्त नही है , वास्तव में !

इस प्रस्ताव को सभी स्तरो/मॉड्यूल पर लागू करने कि पहल करनी चाहिय .

कुछ महत्वपूर्ण पुस्तके

- Boudet, Dominique (Ed.), New Housing In Zurich, Typologies for a Changing Society, Park Books, 2017
- De Angelis, Massimo, Omnia Sunt Communia, Zed-Books, 2017
- Dolan, Paul, Happiness by Design, 2017
- Helfrich, Silke (Hg.), Die Welt der Commons, transcript Verlag, 2017
- Jackson, Tim, Prosperity Without Growth, 2009/2017
- Kahneman, Daniel, Thinking, Fast and Slow, 2011
- Largo, Remo, Das passende Leben, 2017
- Layard, Richard, Happiness: Lessons From A New Science, Penguin, 2011
- P.M. «The Power of Neighborhood» and the Commons, Autonomedia, 2014
- Nelson, Anitra; Schneider, François, Housing for Degrowth, 2018
- Neustart Schweiz, Nach Hause kommen, 2016
- Raworth, Kate, Doughnut Economics, Seven Ways to Think Like a 21st-Century Economist, 2017
- Rosling, Hans, et.al., Factfulness, 2017
- Streeck, Wolfgang, How Will Capitalism End? Verso, 2016
- Wilkinson Richard G. and Kate Pickett, The Spirit Level: Why More Equal Societies Almost Always Do Better, 2009
- Widmer, Hans (Ed.), Die Andere Stadt, Paranoia City, 2017